ज्वालास्वरूप स्थिति में रह शक्तिशाली याद का अनुभव करो

Stay in the volcanic stage and experience powerful remembrance.

JULY 1,2026

महान तपस्वी आत्मायें

आप महान तपस्वी आत्मायें ज्वाला रूप शक्तिशाली याद द्वारा प्राप्ति के किरणों की अनुभूति करो और कराओ। आपका तपस्वी स्वरूप औरों को देने का स्वरूप है। जैसे सूर्य विश्व को रोशनी देने की और अनेक विनाशी प्राप्तियों की अनूभूति कराता है ऐसे आप भी अपने तपस्वी स्वरूप द्वारा शान्ति और शक्ति की किरणें देते रहो।

Great tapaswi souls

You great tapaswi souls have to experience rays of attainment through your powerful and volcanic remembrance and also give others that experience. Your tapaswi form is the form of giving to others. Just as the sun gives the world light and the experience of other perishable attainments, in the same way,through your tapaswi form, continue to give rays of peace and power.

JULY 2,2026

पवित्रता की अग्रि

आप बच्चों का योग जब ज्वाला स्वरूप शक्तिशाली होगा तब पवित्रता की अग्रि सेकण्ड में विश्व के किचड़े को भस्म कर सकेगी। पवित्रता की यह शक्ति महान शक्ति है। अन्त में जब आप सम्पूर्ण पवित्र हो जायेंगे तब आपके श्रेष्ठ संकल्प के लगन की अग्रि से यह सब किचड़ा भस्म हो जायेगा।

The fire of purity

When the yoga of you children becomes volcanic and powerful, the fire of purity will be able to burn the rubbish of the world in a second. This power of purity is a great power. At the end, when you become completely pure, the fire of your elevated loving thoughts will burn all the rubbish.

JULY 3,2026

आसुरी संस्कार, आसुरी स्वभाव भस्म करो

अभी ज्वालामुखी बन आसुरी संस्कार, आसुरी स्वभाव सब-कुछ भस्म करो। जैसे देवियों के यादगार में दिखाते हैं कि ज्वाला से असुरों का संघार किया। असुर कोई व्यक्ति नहीं लेकिन आसुरी शक्तियों को खत्म किया। यह अभी आपकी ज्वालास्वरूप स्थिति का यादगार है। अब ऐसी योग की ज्वाला प्रज्जवलित करो जिसमें यह कलियुगी संसार जलकर भस्म हो जाये।

Burn your devilish sanskars and nature
Now, become “jwalamukhi” (volcanic) and burn your devilish sanskars and nature. In the memorials of the goddesses, they are shown destroying the devils. The devils were not people, but they (goddesses) finished the devilish powers. This is the memorial of your volcanic form at this time. Now, ignite such a flame of yoga that this iron-aged world completely burns away.

JULY 4,2026

विश्व-कल्याणकारी

जैसे दु:खी आत्माओं के मन में यह आवाज शुरू हुआ है कि अब विनाश हो, वैसे ही आप विश्व-कल्याणकारी आत्माओं के मन में यह संकल्प उत्पन्न हो कि अब जल्दी ही सर्व का कल्याण हो तब ही समाप्ति होगी। विनाशकारियों को कल्याणकारी आत्माओं के संकल्प का इशारा चाहिये इसलिए अपने एवर-रेडी बनने के पॉवरफुल संकल्प से ज्वाला रूप योग द्वारा विनाश ज्वाला को तेज करो।

World-benefactor
The sound has begun to emerge in the minds of unhappy souls that destruction should now take place. In the same way, the thought should emerge in you world-benefactor souls that all souls should now quickly be benefitted, for only then will completion take place. Those who are carrying out destruction need to have a signal from the thoughts of you benefactor souls. Therefore, with your powerful thought to become ever-ready, intensify the flames of destruction with your volcanic yoga.

JULY 5,2026

मैं मास्टर सर्वशक्तिवान, विघ्न विनाशक आत्मा हूँ

जैसे सूर्य की किरणें फैलती हैं, वैसे ही मास्टर सर्वशक्तिवान् की स्टेज पर शक्तियों व विशेषताओं रूपी किरणें चारों ओर फैलती अनुभव करें, इसके लिए ”मैं मास्टर सर्वशक्तिवान, विघ्न विनाशक आत्मा हूँ”, इस ऊंचे स्वमान के स्मृति की सीट पर स्थित हो योग को ज्वाला रूप बनाओ तो कोई विघ्न सामने तक भी नहीं आ सकता।

I a master almighty authority, I am a destroyer of obstacles
Just as the rays of the sun spread everywhere, in the same way, with the stage of being a master almighty authority, experience spreading the rays of powers and specialities everywhere. For this, stabilise yourself on the seat of the awareness of this self-respect: “I am a soul who is a master

almighty authority, I am a destroyer of obstacles”. Let your yoga be volcanic and no obstacle will be able to come in front of you.

JULY 6,2026

आधार-मूर्त आत्मायें

जब तक आपकी याद ज्वाला रूप नहीं बनी है तब तक यह विनाश की ज्वाला भी सम्पूर्ण ज्वाला रुप नहीं लेती है। यह भड़कती है, फिर शीतल हो जाती है क्योंकि ज्वाला मूर्त और प्रेरक आधार-मूर्त आत्मायें अभी स्वयं ही सदा ज्वाला रूप नहीं बनी हैं। अब ज्वाला-रूप बनने का दृढ़ संकल्प लो और संगठित रूप में मन-बुद्धि की एकाग्रता द्वारा पावरफुल योग के वायब्रेशन चारों ओर फैलाओ।

Images of support

For as long as your remembrance does not become volcanic, the flames of destruction will also not take their complete volcanic form. They flare up and then cool down because souls who have the volcanic form and images of support have not become that volcanic form for all time. Now, have the determined thought to become the volcanic form and use the concentration of your mind and intellect in a collective way, to spread the vibrations of powerful yoga everywhere.

JULY 7 ,2026

अब वापिस घर जाना है

ज्वाला-रूप बनने के लिए यही धुन सदा रहे कि अब वापिस घर जाना है। जाना है अर्थात् उपराम। जब अपने निराकारी घर जाना है तो वैसा अपना वेष बनाना है। तो जाना है और सबको वापस ले जाना है इस स्मृति से स्वतः ही सर्व-सम्बन्ध, सर्व प्रकृति

की आकर्षण से उपराम अर्थात् साक्षी बन जायेंगे। साक्षी बनने से सहज ही बाप के साथी व बाप-समान बन जायेंगे।

You now have to return home
In order to become a volcanic form, constantly remember that you now have to return home. To go back means to remain beyond. Since you have to go back to your incorporeal home, you have to make your dress according to that. So, you have to go back there and then take everyone back there. By having this awareness, you will automatically go beyond all relationships and all the attractions of matter, that is, you will become a detached observer. By becoming a detached observer you will easily become a companion of the Father and equal to Him.

JULY 8 ,2026

संगठन रूप में ज्वाला- रूप की याद

जितना स्थापना के निमित्त बने हुए ज्वाला-रूप होंगे उतना ही विनाश-ज्वाला प्रत्यक्ष होगी। संगठन रूप में ज्वाला- रूप की याद विश्व के विनाश का कार्य सम्पन्न करेगी। इसके लिए हर सेवाकेन्द्र पर विशेष योग के प्रोग्राम चलते रहें तो विनाश ज्वाला को पंखा लगेगा। योग अग्नि से विनाश की अग्नि जलेगी, ज्वाला से ज्वाला प्रज्जवलित होगी।

The collective, volcanic form of remembrance
To the extent that you become a volcanic form of an instrument for establishment, to that extent the flames of destruction will appear. The collective, volcanic form of remembrance will complete the task of destruction of the world. For this, special yoga programmes should continue to take place at all the centres and these will fan the flames of destruction. The fire of destruction will begin with the fire of yoga, and the flames will be ignited by the flame.

JULY 9 ,2026

लाइट हाउस और माइट हाउस स्थिति

लास्ट सो फास्ट पुरुषार्थ ज्वाला-रूप का ही रहा हुआ है। पाण्डवों के कारण यादव रुके हुए हैं। पाण्डवों की श्रेष्ठ शान, रुहानी शान की स्थिति यादवों के परेशानी वाली परिस्थिति को समाप्त करेगी। तो अपनी शान से परेशान आत्माओं को शान्ति और चैन का वरदान दो। ज्वाला स्वरूप अर्थात् लाइट हाउस और माइट हाउस स्थिति को समझते हुए इसी पुरुषार्थ में रहो।

The lighthouse and might-house stage

The last and fast effort that remains is of the volcanic form. The Yadavs were waiting because of the Pandavas. The stage of elevated and spiritual honour of the Pandavas will finish the adverse, distressed situations of the Yadavas. Use your honour to give distressed souls the blessing of peace and comfort. To be the volcanic form means to understand the lighthouse and might-house stage and to continue to make that effort.

JULY 10 ,2026

ज्ञान- स्वरुप

विशेष याद की यात्रा को पॉवरफुल बनाओ, ज्ञान- स्वरुप के अनुभवी बनो। आप श्रेष्ठ आत्माओं की शुभ वृत्ति व कल्याण की वृत्ति और शक्तिशाली वातावरण अनेक तड़पती हुई, भटकती हुई, पुकार करने वाली आत्माओं को आनन्द, शान्ति और शक्ति की अनुभूति करायेगी।

Embodiment of knowledge

Make the pilgrimage of remembrance especially powerful. Become experienced in being an embodiment of this knowledge. The pure and benevolent attitude of you elevated souls and the powerful atmosphere will give the experience of bliss, peace and power to the desperate, wandering souls who are calling out.

JULY 11,2026

लग्न की अग्नि

जैसे अग्नि में कोई भी चीज़ डालो तो नाम, रूप, गुण सब बदल जाता है, ऐसे जब बाप के याद के लगन की अग्नि में पड़ते हो तो परिवर्तन हो जाते हो। मनुष्य से ब्राह्मण बन जाते, फिर ब्राह्मण से फरिश्ता सो देवता बन जाते। लग्न की अग्नि से ऐसा परिवर्तन होता है जो अपनापन कुछ भी नहीं रहता, इसलिए याद को ही ज्वाला रूप कहा है।

Fire of love
When you put something into a fire, its name, form and quality changes. In the same way, when you put yourself in the fire of remembrance of the Father, you become transformed. From human beings, you become Brahmins and from Brahmins, you become angels, who then become deities. Such transformation takes place in this fire of love that no consciousness of oneself remains, and this is why this remembrance is said to be of the volcanic form.

JULY 12,2026

मास्टर सर्वशक्तिवान की स्टेज

अभी अच्छा-अच्छा कहते हैं, लेकिन अच्छा बनना है यह प्रेरणा नहीं मिल रही है। उसका एक ही साधन है - संगठित रुप में ज्वाला स्वरूप बनो। एक एक चैतन्य लाइट हाउस बनो। सेवाधारी हो, स्नेही हो, एक बल एक भरोसे वाले हो, यह तो सब ठीक है,

लेकिन मास्टर सर्वशक्तिवान की स्टेज, स्टेज पर आ जाए तो सब आपके आगे परवाने के समान चक्र लगाने लगेंगे।

The stage of a master almighty authority
Now, people say that this is good, but they do not receive the inspiration to become good. There is only one method for this: become the volcanic form collectively. Let each one become a living lighthouse. You are serviceable and loving, you have one Strength and one Support and all of that is fine, but when you have the stage of a master almighty authority, everyone will then begin to circle around you like moths.

JULY 13,2026

ज्वाला रूप याद का किला बांधो

जैसे किला बांधा जाता है, जिससे प्रजा किले के अन्दर सेफ रहे। एक राजा के लिए कोठरी नहीं बनाते, किला बनाते हैं। आप सभी भी स्वयं के लिए, साथियों के लिए, अन्य आत्माओं के लिए ज्वाला रूप याद का किला बांधो। याद के शक्ति की ज्वाला हो तो हर आत्मा सेफ्टी का अनुभव करेगी।

Build a fortress of volcanic remembrance
A fortress is built for people to stay safe within it. You would not create a small alcove for a king, you would build a fortress. Each of you has to build a fortress of volcanic remembrance for yourself, for your companions and for all other souls. When there is the volcano of the power of remembrance, all souls will then experience safety.

JULY 14,2026

बाप और आप कम्बाइन्ड

पाप कटेश्वर वा पाप हरनी तब बन सकते हो जब याद ज्वाला स्वरूप होगी। इसी याद द्वारा अनेक आत्माओं की निर्बलता दूर होगी, इसके लिए हर सेकण्ड, हर श्वांस बाप और आप कम्बाइन्ड होकर रहो। कोई भी समय साधारण याद न हो। स्नेह और शक्ति दोनों रूप कम्बाइन्ड हो।

Remain combined with the Father
You can absolve sins and become a destroyer of sins when your remembrance is volcanic. The powerless stage of all souls will then be finished with this remembrance. For this, you have to remain combined with the Father at every second and in every breath. At no moment should you have ordinary remembrance. Make your form of love be combined with power.

JULY 15,2026

तीसरा नेत्र, ज्वालामुखी नेत्र
अभी निर्भय ज्वालामुखी बन प्रकृति और आत्माओं के अन्दर जो तमोगुण है उसे भस्म करो। तपस्या अर्थात् ज्वाला स्वरूप याद, इस याद द्वारा ही माया वा प्रकृति का विकराल रूप शीतल हो जायेगा। आपका तीसरा नेत्र, ज्वालामुखी नेत्र है। माया को शक्तिहीन कर देगा।

Third eye, your volcanic eye
Now, become fearless and volcanic and burn away the tamoguni quality of matter and souls. Tapasya means volcanic remembrance. It is only by your

having remembrance that the fearsome form of Maya and the elements will become cool. Your third eye, your volcanic eye, will make Maya powerless.

JULY 16,2026

लगन को अग्नि रूप में लाओ

समय प्रमाण रहे हुए जो भी मन के, सम्बन्ध-सम्पर्क के हिसाब-किताब हैं उसे ज्वाला स्वरूप याद में भस्म करो। लगन है, इसमें बापदादा भी पास करते हैं लेकिन अभी लगन को अग्नि रूप में लाओ। विश्व में जो चारों ओर भ्रष्टाचार,अत्याचार की अग्नि जल रही है वह आप बच्चों के योग अग्नि से, ज्वाला रूप याद से समाप्त हो जायेगी।

Now let that love become like a fire.
According to the time, whatever karmic accounts remain of your mind, your relationships and connections, burn them with volcanic remembrance. BapDada has passed you in the subject of love, but now let that love become like a fire. The fire burning in the world of corruption and violence will finish in the fire of yoga through the volcanic remembrance of you children.

JULY 17 ,2026

बेहद की वैराग्य वृत्ति

पावरफुल योग अर्थात् लगन की अग्नि, ज्वाला रूप की याद ही भ्रष्टाचार, अत्याचार की अग्नि को समाप्त करेगी और सर्व आत्माओं को सहयोग देगी, इससे ही बेहद की वैराग्य वृत्ति प्रज्वलित होगी। याद की अग्नि एक तरफ उस अग्नि को समाप्त करेगी दूसरी तरफ आत्माओं को परमात्म सन्देश की, शीतल स्वरूप की अनुभूति करोयगी, इससे ही आत्मायें पापों की आग से मुक्त हो सकेंगी।

Attitude of unlimited disinterest
Powerful yoga, that is, the fire of love, the remembrance that is like fire, will destroy the fire of corruption and violence and give co-operation to all souls. It is through this that your attitude of unlimited disinterest will be ignited. On the one hand, the fire of remembrance will destroy that fire and, on the other hand, it will give souls God’s message and cool them down. Through this, souls will be liberated from the fire of their sins.

JULY 18 ,2026

ज्वाला स्वरूप का वायुमण्डल

समय प्रमाण अब सर्व ब्राह्मण आत्माओं को समीप लाते हुए ज्वाला स्वरूप का वायुमण्डल बनाने की सेवा करो, उसके लिए चाहे भट्ठियां करो या आपस में संगठित होकर रूहरिहान करो लेकिन ज्वाला स्वरूप का अनुभव करो और कराओ, इस सेवा में लग जाओ तो छोटी-छोटी बातें सहज परिवर्तन हो जायेंगी।

The atmosphere as powerful as a fire
According to the time, while you Brahmins are bringing souls closer, you must also continue to serve to make the atmosphere as powerful as a fire. For this, you can have bhatthis and deep discussions amongst yourselves, but you have to experience the intense form of love and also give others this experience. Remain busy in doing this service and all the trivial matters will be transformed.

JULY 19,2026

सेकण्ड में बिन्दी स्वरूप

योग को ज्वाला रूप बनाने के लिए सेकण्ड में बिन्दी स्वरूप बन मन-बुद्धि को एकाग्र करने का अभ्यास बार-बार करो। स्टॉप कहा और सेकण्ड में व्यर्थ देह-भान से मन-बुद्धि एकाग्र हो जाए। ऐसी कन्ट्रोलिंग पावर सारे दिन में यूज़ करो। पावरफुल ब्रेक द्वारा मन-बुद्धि को कन्ट्रोल करो, जहाँ मन-बुद्धि को लगाना चाहो वहाँ सेकण्ड में लग जाए।

Becoming the form of a point in a second
In order to make your yoga as intense as a fire, continue to practise becoming the form of a point in a second and concentrate your mind and intellect. As soon as you say “Stop”, all body consciousness should leave your mind and intellect. Use this type of controlling power throughout the day. Control your mind and intellect with this powerful brake. You need to be able to focus your mind and intellect wherever you want in a second.

JULY 20,2026

शान्ति की शक्ति

योग माना शान्ति की शक्ति। यह शान्ति की शक्ति बहुत सहज स्व को और दूसरों को परिवर्तन करती है, इससे व्यक्ति भी बदल जायेंगे तो प्रकृति भी बदल जायेगी। व्यक्तियों को तो मुख का कोर्स करा लेते हो लेकिन प्रकृति को बदलने के लिए शान्ति की शक्ति अर्थात् योगबल ही चाहिए। योग में जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, एक ही सं कल्प रहता ”बाप और मैं” इसी को ही पावरफुल योग कहते हैं। बाप के मिलन की अनुभूति के सिवाए और सब संकल्प समा जायें तब कहेंगे ज्वाला रूप की याद, जिससे परिवर्तन होता है ।

The power of silence
Yoga means the power of silence. This power of silence can very easily bring transformation in the self and others. The elements, as well as souls, will be transformed with this power. You transform souls by giving them the course in words but, in order to transform the elements, you need the power of silence; you need the power of yoga. Your yoga can be powerful when all other thoughts have become quiet and there is just the one thought of “Baba and I”. All thoughts, apart from the experience of meeting the Father, should vanish. Only then could you honestly say that your remembrance is as powerful as a fire with which transformation can take place.

JULY 21,2026

समाने की शक्ति

जब योग में बैठते हो तो समाने की शक्ति सेकण्ड में यूज़ करो। सेवा के संकल्प भी समा जाएं इतनी शक्ति हो जो स्टॉप कहा और स्टॉप हो जाए। फुल ब्रेक लगे, ढीली ब्रेक नहीं। अगर एक सेकण्ड के बजाए ज्यादा समय लग जाता है तो समाने की शक्ति कमजोर कहंगे।

Power to merge
When you sit in yoga, you need to have the power to merge everything else in a second. All thoughts of service should be merged. You need to have so much power that, as soon as you say “Stop”, you are able to put a full stop. A powerful brake has to be applied, not a weak brake. If this takes longer than a second to do, it means that your power to merge is weak.

JULY 22,2026

पावरफुल मन

पावरफुल मन की निशानी है - सेकण्ड में जहाँ चाहे वहाँ पहुंच जाए। मन को जब उड़ना आ गया, प्रैक्टिस हो गई तो सेकण्ड में जहाँ चाहे वहाँ पहुंच सकता है। अभी-अभी साकार वतन में, अभी-अभी परमधाम में, सेकण्ड की रफ्तार है - अब इसी अभ्यास को बढ़ाओ ।

Powerful mind
The sign of your having a powerful mind is that you can reach wherever you want to in a second. When your mind has learnt how to fly and deve=ops that practice, you should be able to reach wherever you want in a second. One moment, you are in the corporeal world and, in the next second, you should be in Paramdham. Now increase this practice. Increase this practice now so that then your remembrance would be powerful

JULY 23,2026

सच्ची दिल

पावरफुल याद के लिए सच्चे दिल का प्यार चाहिए। सच्ची दिल वाले सेकण्ड में बिन्दु बन बिन्दु स्वरूप बाप को याद कर सकते हैं। सच्ची दिल वाले सच्चे साहेब को राज़ी करने के कारण, बाप की विशेष दुआयें प्राप्त करते हैं, जिससे सहज ही एक संकल्प में स्थित हो ज्वाला रूप की याद का अनुभव कर सकते हैं, पावरफुल वायब्रेशन फैला सकते हैं। सच्चाई की शक्ति के कारण दिमाग भी समय पर युक्तियुक्त, यथार्थ कार्य कराता है, कोई भी उल्टा कार्य हो नहीं सकता।

Honest heart
In order to have powerful remembrance, your love must come from an honest heart. Those who have honest hearts are able to become a point in a second and are able to remember Baba, the Point. Because of pleasing

the Lord with their honest hearts, such souls claim special blessings from the Father, with which they are easily able to stabilise in thinking of the One. They will experience remembrance in the form of a fire and will spread powerful vibrations everywhere. Because of their power of honesty, their intellects will accurately work wisely at the right time. No wrong actions can be done.

JULY 24,2026

ज्ञान और योग

योग में सदा लाइट हाउस और माइट हाउस की स्थिति का अनुभव करो। ज्ञान है लाइट और योग है माइट। ज्ञान और योग - दोनों शक्तियां लाइट और माइट सम्पन्न हों - इसको कहते हैं मास्टर सर्वशक्तिमान। ऐसी शक्तिशाली आत्मायें किसी भी परिस्थिति को सेकण्ड में पार कर लेती हैं। टाइम नहीं लगता।

Knowledge and yoga
Constantly experience the stage of a light-and-might-house in your yoga. This knowledge is light and yoga is might. The two powers of this knowledge and yoga should be filled with light and might. You can then be called a master almighty authority. Such a powerful soul will be able to overcome any type of situation in a second. It will not take any time.

JULY 25,2026

"सारथी' और 'साक्षी"

ज्वाला स्वरूप की स्थिति का अनुभव करने के लिए निरन्तर याद की ज्वाला प्रज्वलित रहे। इसकी सहज विधि है - सदा अपने को "सारथी' और 'साक्षी" समझकर चलो। आत्मा इस रथ की सारथी है - यह स्मृति स्वतः ही इस रथ (देह) से वा किसी भी

प्रकार के देहभान से न्यारा बना देती है। स्वयं को सारथी समझने से सर्व कर्मेन्द्रियाँ अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। सूक्ष्म शक्तियां ”मन-बुद्धि- संस्कार’ भी ऑर्डर प्रमाण रहते हैं।

A charioteer and a detached observer
In order to make your stage as powerful as a fire, keep the fire of your remembrance constantly ignited. The easy way to do this is constantly to consider yourself to be a charioteer and a detached observer. You, the soul, are the charioteer of your chariot. This awareness will detach you from your body and any type of body consciousness. By considering yourself to be a charioteer, you can control all your physical senses. Even the subtle powers of your mind, intellect and sanskars will remain in order.

JULY 26,2026

फॉलो फादर

सारथी अर्थात् आत्म-अभिमानी क्योंकि आत्मा ही सारथी है। ब्रह्मा बाप ने इस विधि से नम्बरवन की सिद्धि प्राप्त की। तो फॉलो फादर करो। जैसे बाप देह को अधीन कर प्रवेश होते अर्थात् सारथी बनते हैं देह के अधीन नहीं होते, इसलिए न्यारे और प्यारे हैं। ऐसे ही आप सभी ब्राह्मण आत्माएं भी बाप समान सारथी की स्थिति में रहो। सारथी स्वतः ही साक्षी हो कुछ भी करेंगे, देखेंगे, सुनेंगे और सब-कुछ करते भी माया की लेप-छेप से निर्लेप रहेंगे।

Follow Father
You, the soul, are a charioteer and to be a charioteer means to be soul conscious. Father Brahma became the foremost soul by practising this. Therefore, follow the father! The Father enters a body and controls it, that is, He becomes the Charioteer. He doesn’t depend on that body, and this is why He remains loving and detached. In the same way, all of you Brahmin

souls have to maintain the stage of a charioteer, like the Father. When you are the charioteer of your body, you naturally become a detached observer and remain immune to any effect of Maya in whatever you do, see or hear.

JULY 27,2026

निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी

कई बच्चे कहते हैं कि जब योग में बैठते हैं तो आत्म- अभिमानी होने के बदले सेवा याद आती है। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि लास्ट समय अगर अशरीरी बनने की बजाए सेवा का भी संकल्प चला तो सेकण्ड के पेपर में फेल हो जायेंगे। उस समय सिवाय बाप के, निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी और कुछ याद नहीं। सेवा में फिर भी साकार में आ जायेंगे इसलिए जिस समय जो चाहे वह स्थिति हो नहीं तो धोखा मिल जायेगा।

Incorporeal, viceless and egoless

Many children say that, when they sit in remembrance, instead of becoming soul conscious, they think about service. This should not happen, because if, instead of becoming bodiless in the final moments, you think about service, you would fail that paper of a second. At that time, you must only remember the Father and your incorporeal, viceless and egoless stage, nothing else. By thinking of service, you remain in your corporeal form. If you can’t have the stage that you should have whenever you want, you would be deceived.

JULY 28,2026

तपस्वी रूप

इस कलियुगी तमोप्रधान जड़जड़ीभूत वृक्ष की दुर्दशा देखते हुए ब्रह्मा बाप को संकल्प आता है कि अभी-अभी बच्चों के तपस्वी रूप द्वारा, योग अग्नि द्वारा इस पुराने वृक्ष को

भस्म कर दें। परन्तु इसके लिए संगठित रूप में फुल फोर्स से योग ज्वाला प्रज्जवलित चाहिए। तो ब्रह्मा बाप के इस संकल्प को साकार में लाओ।

Tapaswi form
On seeing the degraded condition of the iron-aged, tamopradhan and decayed tree, Father Brahma has the thought: With the tapaswi form of the children and with the fire of yoga, burn this old tree right now. However, for that to happen, the yoga has to be volcanic and ignited in full force collectively. So, now put this thought of Father Brahma into a practical form.

JULY 29,2026

समेटने की शक्ति

ज्वाला स्वरूप याद के लिए मन और बुद्धि दोनों को एक तो पावरफुल ब्रेक चाहिए और मोड़ने की भी शक्ति चाहिए। इससे बुद्धि की शक्ति वा कोई भी एनर्जी वेस्ट ना होकर जमा होती जायेगी। जितनी जमा होगी उतना ही परखने की, निर्णय करने की शक्ति बढ़ेगी। इसके लिए अब संकल्पों का बिस्तर बन्द करते चलो अर्थात् समेटने की शक्ति धारण करो।

The power to pack up
In order to have volcanic remembrance, both your mind and your intellect need a powerful brake and also the power to steer. By having these, the power of your intellect and any other energy will not go to waste, but will instead accumulate. To the extent that you accumulate these, your powers to discern and decide will accordingly increase. For this, especially finish any expansion of all other thoughts, that is,
imbibe the power to pack up.

JULY 30,2026

बिन्दुरुप की स्थिति

कोई भी कार्य करते वा बात करते बीच-बीच में संकल्पों की ट्रैफिक को स्टॉप करो। एक मिनट के लिए भी मन के संकल्पों को, चाहे शरीर द्वारा चलते हुए कर्म को बीच में रोक कर भी यह प्रैक्टिस करो तब बिन्दू रूप की पावरफुल स्टेज पर स्थित हो सकेंगे। जैसे अव्यक्त स्थिति में रह कार्य करना सरल होता जा रहा है वैसे ही यह बिन्दुरुप की स्थिति भी सहज हो जाये।

The stage of the point form

While carrying out any task or while talking, put a stop to the traffic of your thoughts every now and then. Stop the thoughts in your mind for a minute. Also, while doing something physically, stop that for a minute and practise this. Only then will you be able to stabilise yourself in the point form of a powerful stage of remembrance. Just as it is becoming easier to carry out a task while being in an avyakt stage, so, the stage of the point form should be just as easy. This is the stage of volcanic yoga

JULY 31,2026

दिल, मन, बुद्धि एक बाप की तरफ

याद को शक्तिशाली बनाने के लिए विस्तार में जाते सार की स्थिति का अभ्यास कम न हो, विस्तार में सार भूल न जाये। खाओ-पियो, सेवा करो लेकिन न्यारेपन को नहीं भूलो। साधना अर्थात् शक्तिशाली याद। निरन्तर बाप के साथ दिल का सम्बन्ध । साधना इसको नहीं कहते कि सिर्फ योग में बैठ गये लेकिन जैसे शरीर से बैठते हो वैसे दिल, मन, बुद्धि एक बाप की तरफ बाप के साथ-साथ बैठ जाए। ऐसी एकाग्रता ही ज्वाला को प्रज्जवलित करेगी।

Heart, mind and intellect connected to the Father

In order to make your remembrance powerful, while going into any expansion, let your practice of the stage of the essence be no less. In the expansion, do not forget the essence. Eat, drink and do service, but do not forget to be detached. Spiritual endeavour means to have powerful remembrance and to be in a constant relationship of the heart with the Father. Spiritual endeavour does not mean just to sit in yoga, but, just as you sit physically, similarly, your heart, mind and intellect should be connected to the Father and constantly sitting with Him. Such concentration will ignite the flames.